डॉ. अनिंद्य सिन्हा का पार्श्वचित्र (प्रोफाइल)

डॉ. अनिंद्य सिन्हा, खनन अभियंत्रण में स्नातक हैं। कोयला खानों के प्रबंधन में फर्स्ट क्लास माइन मैनेजर्स का प्रमाण-पत्र धारक हैं और पोलैंड से डाक्टरेट की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। इन्होंने भारत एवं विदेश के कोयला क्षेत्र में 33 वर्ष से अधिक तक अपनी सेवाएँ दी हैं। इनके अनुभव में कोल इंडिया की बीसीसीएल एवं एमसीएल की कोयला खानों (भूमिगत तथा खुली खदान दोनों) के संचालन एवं प्रबंधन का लगभग 10 वर्षों का अनुभव, शैक्षणिक अनुसंधान एवं विकास में 3 वर्षों का अनुभव, सीएमपीडीआई में माइन प्लानिंग एवं डिजाइन का 20 वर्षों का अनुभव तथा भारत सरकार के कोयला मंत्रालय में ऊर्जा ईंधन कोयला एवं लिग्नाइट के लिए विकास नीति में लगभग 4 वर्षों का कार्य शामिल है।

डा. सिन्हा वर्तमान में भारत सरकार, कोयला मंत्रालय में परियोजना सलाहकार (संयुक्त सचिव स्तर का पद) के पद पर प्रतिनियुक्त हैं। इनके अनुभव में कोयला खनन परियोजनाओं का विकास, निवेश निर्णय के लिए कोयला खनन परियोजनाओं का तकनीकी आर्थिक मूल्यांकन, पूंजीगत बजट, कोयला एवं लिग्नाइट, सीबीएम, सीएमएम आदि का गवेषण, पर्यावरणिक प्रभाव मूल्यांकन का आकलन, जलवायु परिवर्तन से संबंधित मुद्दे, कोयला एवं लिग्नाइट के लिए परिप्रेक्ष्य योजनाओं का विकास, कोयला धुलाई, कोयला गैसीकरण, यूसीजी, सीटीएल, कोयला निकासी के लिए आधारभूत सुविधाओं का विकास आदि शामिल है।

श्री सिन्हा ने 1984 में खनन अभियंत्रण में तथा 1986 में मास्टर की डिग्री दोनों आईएसएम, अब आईआईटी (आईएसएम), धनबाद से पूरी की। अपने बैच में टॉपर होने के नाते श्री सिन्हा आईएसएम ने कई पुरस्कार/छात्रवृत्ति प्राप्त किया।

इसके अतिरिक्त इन्हें एमजीएमआई का पिकरिंग मेडल तथा आईएसएम के स्वर्ण पदक से नवाजा गया। इसके बाद वर्ष 1993-96 के दौरान श्री सिन्हा ने यूनिवर्सिटी ऑफ साइन्स एंड टेक्नोलॉजी (एसीएच), क्रैको, पोलैंड में पोलिश गवर्नमेंट फेलोशीप (यूपीएसएसी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से) के तहत डाक्टोरल अध्ययन पूरा किया। इनके अनुसंधान का विषय खनन संवातन तथा भूमिगत कोयला खानों में एयर कंडिशनिंग था। इस दौरान इन्होंने पोलैंड के सर्वोत्तम लॉगवाल खानों में से कुछ खानों का दौरा किया तथा उस पर अध्ययन किया। उस अवधि के दौरान श्री सिन्हा कई अनुसंधान आलेख प्रकाशित करने के अलावा पोलिश अकाडमी ऑफ साइन्स (पान), पोलैंड के तत्वावधान में खान संवातन साफ्टवेयर पैकेज के को-डेवलॉपर रहे। इसके

बाद वर्ष 2008 में एशियन इन्स्टीच्यूट आफ मैनेजमेंट (एआईएम), मनिला, फिलिपिन्स में परियोजना आयोजन, विकास एवं प्रबंधन (पीपीएमडी) पाठ्यक्रम पूरा किया।

डा. सिन्हा खनन योजना और क्लोजर प्लान की तैयारी और ईआईए/ईएमपी की तैयारी के लिए क्यूसीआई-एनएबीईटी मान्यता प्राप्त ईआईए को-आर्डिनेटर तथा कोयला मंत्रालय के ख्याति प्राप्त व्यक्ति हैं। खनन क्षेत्र में उनके योगदान के लिए इस्टीटयूशन ऑफ इंजीनियर्स, भारत ने डा0 सिन्हा को 2017 ''इमीनेन्ट इंजीनियर अवार्ड '' से नवाजा है।

डा0 सिन्हा ने कोयले के विकास से संबंधित विभिन्न समितियों/कार्यकारी दलों के लिए कोल इंडिया लिमिटेड एवं कोयला मंत्रालय की ओर से भाग लिया तथा प्रोफेसनल कार्य से संबंधित कार्यों के लिए पोलैंड, स्पेन आदि जैसे देशों का दौरा किया। इन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय जैसे देशों का दौरा किया। इन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय फोरम में कोयला क्षेत्र से संबंधित मुद्दे और नीति पर तकनीकी लेखों में अपना योगदान दिया। वे इंस्टीच्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), खनन, भूवैज्ञानिक और मेटलर्जिकल इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया (एमजीएमआई) आदि जैसे व्यवसायिक निकायों के सदस्य हैं।

डा0 सिन्हा 05.02.2018 से सीएमपीडीआई के सरकारी अंशकालिक निदेशक हैं।

***